BMS ORGANIC

FARMER PRODUCER CO. LTD

गुलाब की खेती

गुलाब एक बहुवर्षीय, झाड़ीदार, कंटीला, पुष्पीय पौधा है जिसमें बहुत सुंदर सुगंधित फूल लगते हैं। यह फूल अपनी सुंदरता और अपनी कोमलता के लिए सबसे अधिक प्रसिद्ध है। इसकी 100 से अधिक जातियां हैं गुलाब को कुछ लोग घर की सुंदरता के लिए और कुछ लोग व्यवसाय के लिए लगाते हैं। अतः फूलों की खेती में सबसे ज्यादा लोग गुलाब की खेती करना पसंद करते हैं क्योंकि यह साल के 12 महीनें फसल देने वाला रोजगार है। इसलिए भारत सरकार ने 12 फरवरी को गुलाब–दिवस घोषित किया है।

गुलाब के फूल से होने वाले लाभ

गुलाब के फूल से कई प्रकार के लाभ होते हैं जिनमें से कुछ निम्नलिखित हैं–

1. गुलाब के फूल का सेंट बनाया जाता है।
2. गुलाब के फूलों के द्वारा शरबत बनाया जाता है, जो कि ठंडे के रूप में प्रयोग किया जाता है।
3. आंख में जलन होने से आंखों में गुलाब जल का प्रयोग किया जाता है, इससे जलन दूर हो जाती है।
4. गुलाब के फूल से कई प्रकार की औषधियां भी बनाई जाती हैं, इन औषधियों से घातक बीमारियों का इलाज किया जाता है।
5. गुलाब के फूल की पत्तियों को पीसकर चेहरे पर लगाया जाता है, जिसकी वजह से चेहरे पर चमक आती है।
6. गुलाब के फूल की पंखुड़ियों से गुलकंद भी बनाया जाता है।
7. गुलाब के फूलों से शादी अथवा शुभ अवसरों में सजावट का कार्य किया जाता है।

गुलाब की खेती के लिए कुछ महत्वपूर्ण जानकारी

1 गुलाब की खेती के प्रकार

2 गुलाब के लिए मिट्टी का चयन

3 नर्सरी की तैयारी

4 कलम लगाने का सही समय

5 खेत की तैयारी

6 पौधों की संख्या एवं उनकी दूरी

7 उत्पादन

8 उपयोग

9 सुरक्षा, खरपतवार, नियंत्रण और निराई–गुड़ाई

10 गुलाब की मार्केटिंग (बिक्री बाजार केन्द्र)

11 गुलाब को सोलर ड्रायर के द्वारा अथवा धूप में सुखाकर मार्केटिंग

12 लागत

13 आमदनी

1. गुलाब की खेती के प्रकार

गुलाब की खेती दो प्रकार से की जाती है।

- खुले खेत में।
- ग्रीन हाउस बनाकर।

2 गुलाब के लिए मिट्टी का चयन

गुलाब की खेती के लिए काली, चिकनी, दोमट इत्यादि हर प्रकार की मिट्‌टी अनुकूल है। बस जलभराव न हो।

3 नर्सरी की तैयारी

गुलाब की नर्सरी को तैयार करने के लिये सितम्बर एवं अक्टूबर का महीना उत्तम माना गया है। जिसमें नर्सरी सूखने के सम्भावना बहुत कम होती है। और रोग भी कम लगता है।

4 कलम लगाने का सही समय

कलम लगाने का सही समय 15 सितम्बर से 15 दिसम्बर तक उचित होता है अतः विशेष ध्यान रखना होता है कि पौधा तीन महीने पुराना हो।

5 खेत की तैयारी

गुलाब का पौधा खेत में लगाने से पहले खेत को अच्छी तरह से जुताई करके अतः रासायनिक व जैविक खाद् डालकर तैयार किया जाता है।

6 पौधों की संख्या एवं उनकी दूरी

- एक एकड़ = 3000 – 3500 पौधें
- दूरी 3 फिट से 3.5 फिट

7 उत्पादन

30 किलोग्राम प्रति दिन (प्रति एकड़)
900 किलोग्राम प्रति महीना।

8 उपयोग

- श्रंगार,
- शादी–पार्टी
- परफ्यूम, सेंट
- आयुर्वेदिक दवाईयाँ
- गुलकन्द इत्यादि।

09 सुरक्षा, खरपतवार, नियंत्रण और निराई–गुड़ाई

गुलाब की अच्छी पैदावार के लिए समय–समय पर निराई, गुड़ाई अथवा कृषि डॉक्टर से समय–समय पर सलाह व देख–रेख।

10 गुलाब की मार्केटिंग (बिक्री बाजार केन्द्र)

तैयार फसल बहुत आसानी से लोकल मार्केट में सेल हो जाती है।

11 गुलाब को सोलर ड्रायर के द्वारा अथवा धूप में सुखाकर मार्केटिंग

गुलाब को सोलर ड्रायर में सुखाया जाता है, इसमें सुखाई गई पत्तियों की सुन्दरता व क्वालिटी बरकरार रहती है, अतः सोलर ड्रायर में कम समय में ज्यादा मात्रा में फूल सुखाया जा सकता है, जिसकी डिमाण्ड मार्केट में अधिक होती है।

12 लागत

नर्सरी = 25000

खेत की तैयारी = 2000

उर्वरक खाद = 5000

गोबर की खाद = 3000

पोटैशियम एवं कैल्शियम = 2000

अन्य = 4000

कुल = 41000

12 आमदनी

पौधा खेत में लगने के तीन महीने बाद फसल देना शुरू कर देता है

- प्रथम वर्ष – 25 किग्रा * 30 दिन = 750 किग्रा = 6750 KG* 25 = Rs. 168750.
- द्वितीय वर्ष – 30 किग्रा * 30 दिन = 900 किग्रा = 900 KG* 10 = 9000 KG*35 = Rs. 315000 .